फागुन में खाटू जाओ | By Niti Sharma

फागुन में खाटू जाओ
बाबा से मिलके आओ
जाओगे बारम्बार चलेगा ज़ोर नहीं
मिलेगा तुमको ऐसा प्यार कहीं और नहीं

हाथों में निशान लेकर जाते हैं जो सवाली
पाते हैं वरदान भरती है झोली खाली
एक निशान उठा लो बाबा के दर पे चढ़ा दो
चढ़ाओगे बारम्बार चलेगा ज़ोर नहीं
मिलेगा तुमको ऐसा प्यारर कहीं और नहीं
फागुन में खाटू जाओ .....

खाटू की वो श्याम बगीची देख कर तुम आना
आलू सिंह के चरणों में धोक लगा सब पाना
राखी ये डंका बजाये, एक बार जो खाटू जाये
जायेगा बारम्बार चलेगा ज़ोर नहीं
मिलेगा तुमको ऐसा प्यारर कहीं और नहीं
फागुन में खाटू जाओ .....

फागण ये रंग रंगीला करता है वारे न्यारे
एक नज़र के मिलते ही बन जाते काम सारे
बीती ये सबको बताये, फागण की महिमा गाये
गाएंगे बारम्बार हमारा ज़ोर नहीं
मिलेगा तुमको ऐसा प्यारर कहीं और नहीं
फागुन में खाटू जाओ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%93-by-niti-sharma/